



# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

(ख) 29/1

सं० ३]

नई विस्ती, शनिवार, जनवरी 18, 1986 (पौष 28, 1907)

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1986 (PAUSA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह वल्ला संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विवर सूची

विवर सूची	पृष्ठ
भाग I—बंद 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (एवं मंत्रालय की ओङकर) द्वारा आरी किए गए संकालनों और अधिकारियों वर्तेवों के संबंध में विविषिताएँ	23
भाग I—बंद 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (एवं मंत्रालय की ओङकर) द्वारा आरी की वसी उरकारी अधिकारियों की विविषिताएँ, पदोन्नतियों आदि के संबंध में विविषिताएँ	57
भाग I—बंद 3—भारत मंत्रालय द्वारा आरी किए गए तंकल्पों और अधिकारियों के संबंध में विविषिताएँ	--
भाग I—बंद 4—भारत मंत्रालय द्वारा आरी की गयी उरकारी अधिकारियों की विविषिताएँ, पदोन्नतियों आदि के संबंध में विविषिताएँ	31
भाग II—बंद I—विविषिताएँ, वसायेव और विविषिताएँ	*
भाग II—बंद 1—एवं बंद 2—विवेक तथा विवेकों पर प्रबन्ध समितियों के विवर तथा लिपेन्ट	*
भाग II—बंद 3—उप-बंद (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एवं मंत्रालय की ओङकर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ अधिकारियों के प्रभालयों की ओङकर) द्वारा आरी किए गए मानाम्य अधिकारियों विषय सामान्य स्वरूप के वायेव और उपविविताएँ आदि भी वामिल हैं)	*
भाग II—बंद 3—उप-बंद (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एवं मंत्रालय की ओङकर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ अधिकारियों के प्रभालयों की ओङकर) द्वारा आरी किए गए अधिकारियों विषय सामान्य स्वरूप के वायेव और उपविविताएँ आदि भी वामिल हैं)	*
भाग III—बंद 1—उच्चतम व्यायालय, महावेदा वरोक्त, संघ ओङकर विवाहों, रेलवे प्रभालयों, उच्च व्यायालयों और भारत सरकार के वंदेश और वर्षीय वर्ष कार्यालयों द्वारा आरी की गई विविषिताएँ	1955
भाग III—बंद 2—वैदेश कामालय, वर्षकारी व्यायालय और नोविस वायेव विविषिताएँ और बोर्ड	29
भाग III—बंद 3—मुख्य वायुस्तो के प्राधिकार के वधीम वायेव द्वारा आरी की गयी विविषिताएँ	--
भाग III—बंद 4—विविषित विविषिताएँ विषय संविधिक विकायों द्वारा आरी की गयी विविषिताएँ, वायेव, विवाह और नोविस वायेव हैं	17
भाग IV—नीट-सरकारी व्यवित और नीट-सरकारी विकायों द्वारा विवाह और वोद्वाह	7
भाग V—वर्षेवी औष विषयों वोद्वों में वाय और मुख्य के वायावों और विवाह वायक विविषिताएँ	*

“पृष्ठ वर्षवा प्राप्त वही है।

## CONTENTS

PAGES	PAGES		
<b>PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. ..</b>	<b>23</b>	<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules &amp; Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) .. .. ..</b>	<b>*</b>
<b>PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .. ..</b>	<b>57</b>	<b>PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	<b>*</b>
<b>PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India! .. .. .. ..</b>	<b>1955</b>
<b>PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .. ..</b>	<b>31</b>	<b>PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. .. ..</b>	<b>29</b>
<b>PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. ..</b>	<b>—</b>
<b>PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. ..</b>	<b>17</b>
<b>PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. ..</b>	<b>7</b>
<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. .. ..</b>	<b>*</b>	<b>PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi .. .. ..</b>	<b>*</b>
<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .. .. ..</b>	<b>*</b>		

\*Folio No. not received

## भाग I—खण्ड 1

## [PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

## इलेक्ट्रॉनिकी विभाग

नई विल्सनी, दिनांक 1 जनवरी 1986

सं० 23(20)/सचिव (ई० सी०)—भारत सरकार ने विदेशी सहभागिता के संबंध में रंगीन दूरदर्शन रिसीवरों और एयाम तथा इवें दूरदर्शन रिसीवरों के विनियमण के लिए प्रोटोकोलिक नाइमोंसिंग और प्रीचो-गिकी विषयक नीति की ममीका की है। इस उद्देश्य से, राष्ट्रपति जी ने निम्नलिखित आशोधन करने का निर्णय किया है, जो तकाल प्रभावी होगा :—

1. बहुमान नीति के अन्तर्गत उद्योग के सभी थेटों को इस उद्योग में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। किन्तु विदेशी साम्या-पूंजी (इक्विटी) वाली कम्पनियों को एयाम तथा एवें एवं रंगीन दूरदर्शन सेटों का विनियमण करने की अनुमति नहीं दी गई थी। अब यह निर्णय किया गया है कि विदेशी साम्या-पूंजी (इक्विटी) वाली उन कम्पनियों को, जिनकी विदेशी साम्या-पूंजी (इक्विटी) 40 प्रतिशत से अधिक नहीं है उन्हें इस उद्योग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। किन्तु, इन कंपनियों को, उनकी यूनिट के द्वारा उत्पादन शार्टम करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए प्रयोग उत्पादन के कम से कम 25 प्रतिशत भाग की आपूर्ति किट के रूप में लघु-उद्योग की यूनिटों को करनी होगी। इसके अन्तर्काल यह भी स्पष्ट किया जाता है कि एयाम तथा एवें और रंगीन दूरदर्शन सेटों के विनियमण और विदेशी में कोई विदेशी ब्रांड नाम की अनुमति नहीं दी जाएगी।

## आदेश

आदेश किया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाये :—

1. राष्ट्रपति का सचिवालय
2. प्रधान मंत्री का कार्यालय
3. मंत्रिमंडल सचिवालय
4. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग
5. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
6. सभी राज्य सरकारों व संघ भासित प्रदेशों के मुख्य मंत्रिय
7. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पादन और सीमाशुल्क बोर्ड
8. मुख्य नियंत्रक, आयात और नियति
9. तकनीकी विकास महानियेशालय
10. भारतीय राजदूतावासों के विज्ञान परामर्शदाता
11. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिकी राज्य मंत्री
12. अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिकी प्रायोग

13. मन्त्रिय, इलेक्ट्रॉनिकी विभाग

14. इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के सभी प्रभाग/प्रत्युभाग

यह भी आदेश किया जाता है कि यह संकल्प भारत सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

भा० ना० भागवत, संयुक्त सचिव

## मानव संरक्षण विकास मंत्रालय

## (शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

## संकल्प

विषय : केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में परामर्शदाती समिति का गठन

सं० 8-14/85 ई०-11 (भाषा)—केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर को उसके कार्यक्रम और परियोजनाएं बनाने में सहाय देने और सहायता करने के लिए एक परामर्शदाती समिति का गठन करने के आरे में भारत के राजपत्र में छो संकल्प संबंध एक 8-14/85-ई०-11/(भाषा), दिनांक 15 फरवरी 1985 का आशिक संशोधन करने हुए भारत सरकार एवं द्वारा समिति की संरचना और इसके कार्यकाल को निम्न प्रकार से संशोधित करती है :

## गठन

- |                                     |         |
|-------------------------------------|---------|
| 1. शिक्षा तथा संस्कृति राज्य मंत्री | भूष्यका |
| 2. प्रो० बी० आई० मुश्तमियम          | सदस्य   |
| कुलपति, तमिल विश्वविद्यालय,         |         |
| तंजावुर, तमिलनाडु                   |         |
| 3. प्रो० अब्दुल अजीम,               | सदस्य   |
| प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,               |         |
| भाषा विज्ञान विभाग,                 |         |
| अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,       |         |
| अलीगढ़-202001 (उ० प्र०)             |         |
| 4. प्रो० एस० के० दाम                | सदस्य   |
| आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,           |         |
| दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।       |         |
| 5. प्रो० अनन्तराव रावल,             | सदस्य   |
| 2, श्री सदमा सोसायटी,               |         |
| नवरंगपुर, भृहमदावाद,                |         |
| गुजरात-380009.                      |         |

6. श्री एन० बी० कुण्ठ वारियर, प्रधान सम्पादक, कू'कूम बीकानी, तेली किलोने-691009	सदस्य	(V) भारत और विदेशों में सकाय सम्बन्धी सुधार और यति उपलब्धि के लिए उपाय सुझाना।
7. डा० आर० के० मोहना, प्रमुख, भाषा विज्ञान विभाग, शोहटी विश्वविद्यालय गोहाटी।	सदस्य	(VI) जनजातीय और सीमान्त्र भाषाओं की प्रोत्स्थि और विकास से सम्बन्धित सामग्री में केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान को मलाह देना।
8. डा० आर० के० शर्मा, कुलपति, सम्पूर्णनन्द संस्कृत विश्वविद्यालय बाराणसी।	सदस्य	(VII) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा जलाई गई चालू परि- योजनाओं की समीक्षा करना।
9. डा० बी० जी० मिश्र, निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, ग्रामग-5	सदस्य	बठक : समिति की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी। तथापि अध्यक्ष जब आवश्यक समझे बढ़के बुला सकते हैं।
10. श्री जे० वीराराघवन, सलाहकार (शिक्षा) योजना आयोग, नई दिल्ली-110001	सदस्य	प्रादेश
11. निदेशक (भाषाएँ) मानव संसाधन विभाग मंत्रालय (शिक्षा विभाग)	पदेन-सदस्य	आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मानव-संसाधनों से सूर, सभी राज्य सरकारों, संघ शासित प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, नई दिल्ली, संस्कृत कार्य मंत्रालय, संसद अवन, नई दिल्ली, लोक सभा-सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।
12. संयुक्त सचिव (आदिवासी), गृह मंत्रालय	पदेन सदस्य	यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।
13. विस सलाहकार मानव संसाधन विभाग मंत्रालय	पदेन सदस्य	पी० के० मरहोत्रा, महायक शिक्षा सलाहकार (डैस्क- IV/भाषा)
14. डा० फहमिद बेगम, निदेशक, उडू प्रोफेसन अड्डों	पदेन सदस्य	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
15. निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर	मदस्य-सचिव	नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसंबर 1985
कार्यकाल :		संकल्प
1. समिति के गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तारीख से 3 वर्ष का होगा।		सं० 11013/1/85—हिन्दी—पेट्रोलियम मंत्रालय के दिनांक 10 सितम्बर, 1985 के मामसध्यक सफला के क्रम में, भारत सरकार ने श्री राम अवतार शुभा, सपाइक 'सन्मान', 160 सी, चितरंजन ऐवेन्यू, कलकत्ता-700007 को एनव्हारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है।
2. समिति के सरकारी सदस्य तक तक सदस्य बने रहेंगे जब तक वे उस पद को ध्वारण करते हैं जिस पद के आधार पर वे समिति के सदस्य हैं।		2. दिनांक 10 सितम्बर, 1985 के संकल्प में 'निम्नलिखित संघोषण किया जाता है':—
3. यदि किसी सदस्य के स्थान पद अवधा मूल्य के कारण कोई स्थान रिक्त होता है तो उस पद पर नियुक्त अर्थात् 3 वर्ष के कार्य काल के शेष समय तक पद ध्वारण करेगा।		(I) कम संख्या 32 तथा 41 निरस्त किये जाते हैं।
विचारार्थ विषय :		(II) अध्यक्ष पांव प्रबन्ध निदेशक, श्रीको लारी लिमिटेड, पी-54 हाई रोड एक्सटेंशन, कलकत्ता को गरकारी सदस्य के रूप में समिति का सदस्य नामित किया जाता है।
(I) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान को इसके कार्यक्रम और परि- योजनाएँ बनाने में मलाह देना।		आदेश दिया जाता है कि 6म प्रस्ताव को प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य प्रदेशों के प्रान्तिकों, प्रधानमंत्री कार्यालय, भविमडल सचिवालय, संसद कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के भाजामेंजा परीक्षक, महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।
(II) भाषाओं के शिक्षण, भाषा विज्ञान सम्बन्धी अनुसंधान, शिक्षण सामग्री तंयार करना, पढ़ाचार पाठ्यक्रम आदि से सम्बन्धित सामग्री में भारतीय भाषा संस्थान को मलाह देना।		यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को मर्वसाधारण की जान- कारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।
(III) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा तंयार किए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों की वायिक समीक्षा करना।		टी०एन०आर० राव, संयुक्त सचिव
(IV) केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान द्वारा प्रति वर्ष आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिकता निर्धारित करना।		

परिवहन मंत्रालय

रेल विभाग

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1986

सं० ८५/६० (जी०प्ला०) I/1/14—यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी प्रत्रेटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा प्राप्तीय द्वारा 1986 में की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के तियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2 परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख प्राप्तीय द्वारा आरी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जास्तियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा प्राप्तीय द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की कार्रियर और स्थान प्राप्तीय द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार के लिए प्रावश्यक होगा कि वह या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ब) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिक्ष्णती भारणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1982 से पहले भारत पा गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी प्रशीकों देशों से या जांबिया, मलायी, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ब), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत जाने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा आरी किया गया पात्रता (एलिजिं-बिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना प्रावश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बावही भजा जा सकता है।

5 (क) उम्मीदवार के लिए प्रावश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1986 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो प्रथमत उसका जन्म 2 जनवरी, 1966 से पहले और 1 जनवरी, 1970 के बावही का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील दी जा सकती है:—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो प्रधिक से प्रधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की प्रवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो प्रधिक से प्रधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की प्रवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो प्रधिक से प्रधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो प्रधिक से प्रधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो प्रधिक से प्रधिक 8 वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो प्रधिक से प्रधिक 3 वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो प्रधिक से प्रधिक आठ वर्ष।

(8) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी प्रशांसिप्रस्त देश में कौर्याली के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्त कार्मिकों को प्रधिक से प्रधिक तीन वर्ष।

- (9) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अन्यावृत्ति प्रस्तुत क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के द्वारा विकलांग होने के फल-स्वरूप सेवा से निर्भृत किए गए ऐसे रहा कामिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उनके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (11) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत भूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (12) यदि उम्मीदवार भारत भूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जान्मिया, मालाबी, जैरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (13) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत भूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जान्मिया, मालाबी, जैरे और इथियोपिया से भारत भूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (14) जिन भूतपूर्व संनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने, 1 जनवरी, 1986 को कम से कम 5 वर्ष की संनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या या प्रकमता के आधार पर बर्खास्त न होकर प्रत्यक्ष कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीने के अंदर पूरा होना है), (ii) या संनिक सेवा से हुई शारीरिक प्रणगता या (iii) अव्यक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व संनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पाँच वर्ष की संनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या प्रकमता के आधार पर बर्खास्त न होकर प्रत्यक्ष कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीनों के अंदर पूरा होना है) या (ii) संनिक सेवा से हुई शारीरिक प्रणगता या (iii) अव्यक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व परिवार का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहले जनवरी, 1971 और 31
- मार्च, 1973 की प्रदर्शन के द्वारा भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
- (17) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व परिवार का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की प्रदर्शन के द्वारा भारत प्रव्रजन कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु-सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।
- (18) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अधिक से अधिक व्यवस्था के द्वारा साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।
- (19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति प्रथमा अनुसूचित जन जाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अधिक से अधिक व्यवस्था के द्वारा साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- टिप्पणी:**—भूतपूर्व संनिक जिन्होंने अपने पुमः रोजगार हेतु भूतपूर्व सीमिकों को दिए जाने वाले साथों को लेने के बाब्त सिविल क्लेन में सरकारी नौकरी पहले ही से ली है, वे नियमावली के नियम 5(छ) (14) और 5 (छ) (15) के अधीन आयु सीमा में छूट लिए के पास नहीं हैं।
- 6. उम्मीदवार ने—**
- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट प्रथमा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;
- (ख) स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हायर सेकेन्डरी (12वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या
- (ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्षों के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्षों के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (साल्व्य कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के बार-वर्षीय पाठ्यक्रम के छोड़े वर्ष में प्रोफेशन के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शार्ट यह है कि डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।
- जिन उम्मीदवारों के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम/द्वितीय शर्ट की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन-पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शार्ट यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो।
- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व हाजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या
- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या माध्यम शास्त्र प्रार्थी की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय हस्तर के एक वर्ष के बाब्त ली गई हो प्रथम

या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(ब) किसी विश्वविद्यालय के पाठ्य-बच्चीय हंजीनियरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि इसी पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पुर्व विश्वविद्यालय से समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पाठ्य-बच्चीय हंजीनियरी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो दी गयी आवेदन-पत्र में जैसे सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गोपन के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पुर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा इंटर-मीडिएट या उपर्युक्त किसी घन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई ही उन्हें भी शैक्षणिक दिव्यि से पाठ्य समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ जूका है जिसे पास करने से वह हम परीक्षा में बैठने का पाल बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे महीने मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र में सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अहंक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र के सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पाल हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उसके प्रवेश को अन्तिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 25 अगस्त, 1986 तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—आपाविक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक द्विष्ट से अहंक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अहंताओं में से कोई भी अहंता न हो लेकिन ऐसी अहंताएँ हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा-बोर्ड द्वारा दिए गए पुर्व-हंजीनियरी डिप्लोमा है वे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेटिस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के दैरा 5 में विनियिष्ट कीस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दूर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थाई हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिवर्तन (इंडर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ज्ञान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके लियोक्ता से उनके उच्चत परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने

से सम्बद्ध अनुमति गंवते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अहंकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अधिकारी द्वारा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं दोगा तब तक उसी परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कराचार का दोषी घोषित होता है या हो जूका है :—

(1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना;

या

(2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

(3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

(4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना;

या

(5) अशुद्ध या अमर्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

(6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित सामग्री उठाने का प्रयास करना; या

(7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या

(8) उत्तर पुस्तिकां (ओं) पर प्रसगत बातें लिखी हों जो असली भाषा या अभद्र आशय की हों; या

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दृष्ट्यवहार किया हो; या

(10) परीक्षां चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को प्रेशान किया हो या अध्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

(11) परीक्षा की प्रनुभात देते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा

(12) उपर्युक्त वास्तविकासों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवग्रहित करने, जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग लाए जाने के प्रतिरक्त नियन्त्रित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनहंक घोषित किया जा सकता है; या

(ख) उसे स्थायी रूप से या विनियिष्ट अवधि के लिए नियम-लिखित से विचारित किया जा सकता है :—

(1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या अवन से;

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भौकरी से; और

(ग) यदि यह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई आस्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अस्यावेदन जो; वह देने चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अस्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचारन कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उत्तरने अनुत्तम अहंक अप्ल कर लेते हैं, जिसने आयोग स्वविधेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग अवधित परीक्षा हेतु साकारकार के लिए बुलाएगा।

किंतु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के प्राधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए दुलाना समझ न होतो आयोग इस उद्देश्यरित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के प्राधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनाएगा और उसी क्रम में से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अचूक समझे, उनमें आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए निकारिश की जाएगी जितनी रिक्तियों और परीक्षा परिणाम के प्राधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परंतु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियों सामान्य स्तर के प्राधार पर भरने से रह जाए, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर की शिक्षित करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति में उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है। यह सबल ही परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बास्तव में सेवा में नियुक्ति के बाबत ही है।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का प्रीक्षाफल किस रूप में और किस रूप से देजा जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वाक्षरके से करेगा और परिणाम [के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पक्ष व्यवहार नहीं करेगा।

मैं सा ल होने से तब तक नियुक्ति का प्राप्तिकार नहीं  
जाता जब तक सरकार प्रावस्थक जांच प्राप्ति के बावजूद बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पूर्व १ की दृश्यत में रहते हुए सरकारी सेवा में संस्कृत के लिए संभावा उपलब्ध न हो।

15. उम्मीदवार को मानसिक और १०८८ के दृष्टि से स्वत्व हीना घायिए। और उसमें कोई ऐसा शा विकार नहीं होना चाहिये जो सम्बन्धित सेवा के प्रधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों के बाबत विभिन्न विधियों को दृष्टि से बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा १ के दृश्यत में यह जाति या अनुसूचित के बावजूद की उम्मीदवार के बारे में यह जाति या जिन शर्तों को पूछ नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिये जाति या स्तर के प्राप्ति को उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अद्वितीय प्राप्ति कर लेते हैं उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की सारी जांच के द्वारा आवाज़ याते वाले कार्य दिवस को की जायेगी (इसरे शनिवार को छोड़कर रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी मफल उम्मीदवारों को प्राप्ति: ९.०० रुपये, अतिरिक्त मुद्रा चिकित्सा प्रधिकारी, केन्द्रीय प्रस्तावन, उत्तरी रेलवे बसात जैसे, तर्दा दिल्ली पर उपरिक्त होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार सभी क्षणों में तर्दा होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान परिवर्तन का अनुरोध सामान्यता स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवार यह भी जोड़ कर रहे हैं कि:

- (१) उनको (सालह रुपये) रु १८/- भी नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भूगतान करनी होगी;
- (२) डाक्टरी जांच के सम्बन्ध में कोई याक्षरों के लिये उम्मीदवारों को कोई याता भता नहीं किया जाएगा; और
- (३) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का ग्रन्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जायेगा।

उम्मीदवार यह बोर्ड कर रहे हैं कि उनको परिवहन मंत्रालय, रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित ग्रन्थ से कोई सुवना नहीं देंगी जायेगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए प्रावेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी विकिता अधिकारी से परीक्षा कर लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की? किसी प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और इस में उनसे किस स्तर की प्रवेश की जाएगी, इसका व्यूहा इन नियमों के परिणाम I में किया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में प्रत्येक सेवा की प्रावश्यकताओं को व्याख्या में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो ग्रथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पति/जितका एक पति जीवित हो ग्रथवा।

(ब) जिसने एक पति/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो ग्रथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्ति के लिए पापा नहीं होगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा व्यवहार के द्वारा पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के प्रत्यार्थी इस प्रकार का विवाह अनुमेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से ज्यवाह किए गए विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के लिए अप्रेंटिसी की शर्त परिणाम-III में दी गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित समिक्षा भी परिणाम-IV में दी गई है।

ए० एन० बाल्क, सचिव, रेलवे बोर्ड

#### परिणाम—I

(देखिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—  
भाग 1—नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की सिवित परीक्षा।

भाग 2—व्यक्तिगत परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिए नियम 12)।

2. भाग 1 के प्रत्यार्थी लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए उद्दिश्यरित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्रम	विषय	फोड सं०	नियुक्ति	अधिकतम
		सं०	समय	अंक
1.	ग्रन्ती	01	2 घंटे	100
2.	सामान्य विज्ञान	02	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	03	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	04	2 घंटे	100
5.	गणित I, (बीज गणित, प्रारम्भिक विस्तार कलन, विकोणिति और विश्लेष- णालयक ज्ञानामिति)	05	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी, स्थैतिकी तथा गणिती)	06	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घंटा	100
			प्रीग	700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल ("वस्तुपरक प्रश्न होते, वस्तुने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुबन्ध-11) के साथ लाती उम्मीदवार "सुचना पुस्तिका" देखें। प्रश्न पत्र केवल अप्रेजी ही होते।

4. प्रश्न-पत्र में जहां आवश्यक हो केवल माप व तोल की मोटिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न चिह्न जाएं।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरभॉडप्ट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की भ्रातृता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संक्षेप अनुमूली में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए पर्याप्त अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा स्थल में न लाएं।

### अनुदंडी

अप्रेजी (कोड सं० 01)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर प्रधिकार का पता लग सके।

### सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने आरोग्य के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का योग्यकरण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उन स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

### धैर्यता और उसका परिवेश

जीवन का विकास पौधे और पशु, वंशान्तर और परिवेश प्रानुवंशिकी प्रकोष्ठ और सेमोसोम जीन्स।

मानव शरीर की जानकारी—पोषणादार, संतुलित भोजन, प्रतिस्थायी खाद्य महामारियाँ और सामान्य रोगों की गोकर्णन गहिर लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उम्मीदी गोकर्ण, खाद्य, अपमिश्रण, खाद्याभ्यासों और उनसे निर्भित उत्पादों को गहीं प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्कोट, जनसंख्या विवरण, खाद्य और कर्जे सामान का उपादान। पशुओं तथा पौधों का संप्राप्ति, कृषिकल्प गर्भाधान, खाद्य और उत्पादक, कफल रक्षण उपाय, अधिकानन्त्र किस्में और हरिति कांति, भारत के मुख्य धनान्त्र और तकदी कफल।

सौर परिवार और पृथ्वी। अनुग्रह, जलवायु, ग्रीष्म। भूमि—इमकी रसायन और अप्रददन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात, तृष्णान, बाढ़, भूहस्प, ज्वालामुखी उद्यगार)। पर्वत और नदियाँ और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उद्योगों का विवरण तथा गहिर भूगत व्यक्तियों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विवाह संदर्भ के तात्र प्राकृतिक गाधन।

### भारत का इतिहास, ज्ञानीति और सभाज्ञ

वैदिक, भगवान्, वृद्ध, भौमि, शंख, आनन्द कुण्डल, मुत्त काल (भौमि कालीन स्तम्भ, स्तूप कंकनार), भौमी मधुरा और संवत् विचान्त्रम संदिग्ध वास्तुकला, अजंगा और एलोरा।

इस्याम के प्राने के मात्र नई विद्यायों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतनाद से पृजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की गुणात्मा। भारत में विद्यिष शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद पर्याप्ति और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम।

भारत का संविशान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ—लोकतंत्र, संभन्निरपेक्षाता, समाजवाद, समानता के प्रबल स्तर और सरकार की संसदीय

प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएँ—लोकतंत्र, समाजवाद मान्यवाद और अहिंसा के गतिशील विचार। भारतीय राजनीतिक इल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेम, चूनाव प्रणाली।

भारत की विदेशी नीति और सूट मिरवेष्टा—शस्त्र निर्माण होड, शक्ति संतुलन। विश्व मंगल—ज्ञानीति, सामाजिक, आर्थिक और मानस्कृतिक विद्याएँ वो योगों के द्वारा जन भास्त्र और विशेष में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और गांधीजीका कार्यकलाप भवित्व)।

भारतीय सामाजिक अप्रस्था की मुख्य विणेगताएँ—जाति व्यवस्था में हाज में हाएँ परिवर्तनों और द्विटकोण अल्पसंख्यक सामाजिक मंस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्षण।

धर्म विभाजन, महावार्गिका, टकराव और प्रतिवानिता, सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और माझा, कला, कानून, रोनिश्वाज, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियाँ—परिवार धर्म नज़र भौतिक संस्थाएँ, सामाजिक परिवेश के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकीय, जनसांस्कृतिकीय सांस्कृतिक कानून की संकल्पना।

### भारत में सामाजिक विवरण

ज्ञातिवाद, साम्राज्यविकास, जनजीवन में इष्टान्वार, पुत्रक भ्रातान्ति, भौत्त्व मांगना, आर्थिक अपराधकृत भ्राता और आपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्पणा और शमकल्पण; अनुसुचियाँ और पिछड़े थर्गों का कल्पण।

धैर्यता, संकृती और स्त्रीजीन्स की माप।

विनियोग, स्कूलीजीट और आदीकल लीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप।

समय और इच्छामान का माप।

सरल रेखिक गति और विस्तारन, वेग और त्वरण के बीच सम्बन्ध।

न्यूटन के गति के नियम: स्वेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और घरित।

घरेलू गुणांक

बल किया के अंतर्गत विडों का संतुलन। बल का आवृण: गुणपत्र स्पूटन का गुणवाकरण मिलात। पातालम वेग। गुरुत्व के कारण न्वरण।

इच्छामान तथा भार। गुरुत्वकेन्द्र। एकगमान चक्रीय गति अभिकेन्द्र बल। गरम आर्थर्गत गति। सरल योजन।

इच्छामी और इमकी वित्ति गति। गति गति। गति गति।

तापमान और इनकी मात्र। तापीय प्रभाव। ताप मिल का नियम। आर्क मिल का नियम। पार्सेकी दवाव और इमकी माप।

तापमान और इनकी मात्र। तापीय प्रभाव। ताप मिल का नियम। गैसों की विशिष्ट अम्बा। गैस उत्पादन और उनकी मात्र। गैसों की विशिष्ट अम्बा। उत्पादन का याकृति सम्बन्ध और उत्पादन का याकृति सम्बन्ध।

अम्बा अंतर्गत: गायी चालकन।

तरंग गति अन्तर्गत और अनुप्रस्थ तरंगें। प्रगामी और अप्रगामी तरंग। गैस में स्वनि का वेग और वित्ति कारणों पर निर्भरता। अनुताद परिवर्तन। वायु स्तम्भ और रज्जु।

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन। वक द्रव्यों और लैसों द्वारा वित्ति रनन। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रियम:—वित्ति गति और प्रकारण। न्यूनतम मिलन। दृष्टि स्पूटन।

छड़े चुम्बक का थोक। चुम्बकीय यापूर्ण। भू चुम्बकीय थोक के तत्त्व चुम्बकत्वमात्र। यात्रा, पैरा और फैरी चुम्बकन।

विद्युत चार्ज, विद्युत कोश और विभव : कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा:—विद्युत सत, ₹१० एम० एस० प्रतिरोध प्रीटर और बोल्ट-मीटर। श्रोहम का नियम : श्रेणी और समस्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता तारा का लापन प्रभाव।

ब्हीस्टोन ब्रज, विभवमापी।

धारा का घम्बकीय प्रभाव : रोध तार कुंडली और सोलिनायड़:—विद्युत-घम्बक; विद्युत घटी।

घम्बकीय क्षेत्र में चालक धारी धारा पर छल; चल कुंडली—धारामापी, एमीटर या बोल्टमीटर; परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत घण्ठन के नियम।

विद्युत-घम्बकीय प्रेरणा, मरल ए० सी० तथा ओ० सी० जनिन। डॉनफार्मर, घण्ठन, कुंडली।

कैथोड किरौ, ऐलेक्ट्रन की खोज, परमाणु का बोहर माडल। डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

ऐक्स्ट्रक्ट किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग।

रेडियोश्रुतियाः—ऐस्का, बीटा और गामा किरणेः।

नामिकीय ऊर्जा, विलंडन और सलयन : व्यवहार का ऊर्जा में परिवर्तन शून्याला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं० ०४)

शौलिकी रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण माडल। विविध माडल के रूप में परमाणु। कक्षाय परिसंकल्पना। क्षान्तम, संस्था और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का प्रवर्जन विद्वान्। इलेक्ट्रोनिक विन्यास। घनत्वु सिद्धान्त ए० पी० डी० और एक, ब्लाक तत्व।

आवर्ती यक्षिकरण—केवल थीर्ध रूप। आवर्त और इलेक्ट्रानिक विद्युत स परमाणु अनुपात। आवर्तक और युक्ति में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आवर्धन, इलेक्ट्रोलैट, कोबलेट, कोर्निट, की ब्लैंट बंधन। जा० तथा एस०। बंधनों के बंधन गुण, जल, हाइड्रोजेन, सलफाइड, मिथेन और अमोनियम ग्लोराइड जैसे सरल प्रणाली के आकार। मोलेक्यूलर संबंध और हाइड्रोजेन आवर्धन।

3. रासायनिक अभिक्रिया; ऊर्जा परिवर्तन ऊर्जा उत्पन्नी और ऊर्जा-प्रोती। अभिक्रिया। ऊर्जागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर ऊर्जा संकलन की हैस का नियम।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दरें। व्यवहार का क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। लापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (सा चेटलियर के सिद्धान्त पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) प्राणविकात प्रथम तथा द्वितीय ऊर्जा अभिक्रियाः। संक्रियण का ऊर्जा परिकल्पन। अमोनियम और सल्फर ट्राइआस्टाइड के नियम के लिए प्रयोग।

5. विलयन : वास्तविक विलयन कोलोडल विलयन और स्थगन। तन विलयनों के अनुसंध्य गुणवत्तम और विलयन पदार्थों के ग्रण मार निपिक्षत करना। ध्वाली विलुप्तियों का उनयन। द्वितीय अवसादन। अस्मेट दबाव। राइट का नियम (केवल अनुभागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान:—विद्युत घण्ठन। विद्युत घण्ठन का कैरारे नियम। आवर्ती संयोजन। शुलनशीलता उत्पाद। प्रबल तथा कीज घण्ठन। घनत्व तथा वैप (लोबल तथा झीनस्टाइड की परिकल्पना) ए० ए० तथा उत्प्र प्रतिरोधी विलयन।

7. आक्सीकरण अपचयन:—आधुनिकी इलेक्ट्रोनिकी परिकल्पना और और आकर्षीजन यंक।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विष्टनामिकता:—नामिकीय विलंडन और सलयन। विष्टन नामिक समस्यानिकों के उपयोग। अकाशनिक रसायन विज्ञान।

तत्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके ग्रीष्मोगीकीय महत्वपूर्ण भिन्न।

1. हाइड्रोजेन : अबत तालिका में स्थित हाइड्रोजेन का समस्यानिक—भणात्मक तथा धनात्मक विद्युति। जल, कठोर तथा मृद जल; उत्तरों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2. पुप I तत्व। सोडियम हाइड्रोबैसाइड का विनियम। सोडियम कार्बोनेट। शोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड।

3. पुप II तत्व। आयं तथा बूझा हुआ जूना। जिप्सम। प्लास्टर प्राफ औरिस। मैनीशीयम सल्फेट और मैनीशिया।

4. पुप III तत्व। बोयला, लकड़ी तथा ठोस हैंन। सिलिकेट, जोलिटिस तथा घर्ष सुखालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

5. पुप IV तत्व। बोयला, लकड़ी तथा ठोस हैंन। सिलिकेट, जोलिटिस तथा घर्ष सुखालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. पुप V तत्व। अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनियम। शैम कार्बोनेट और निरापद वियासलाइ।

7. पुप VI तत्व। हाइड्रोजेन और आक्साइड, गंधक सल्फूरिक अम्ल की उपरूपता। योग्य के आक्साइड।

8. पुप VII तत्व। ब्लारिन अयोरीन का विनियम तथा उपयोग।

शैमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। ब्लीचिंग पाउडर।

9. पुप (उल्क्ष गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धातुकर्मीय संसाधन—तांबा, लोहा, एक्यूसीनियम, चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट संदर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियाः। इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रधाता; निकिल मैनीश इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्रोहेड्रल स्वरूप। संस्करण और जी० एम० अंधन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति। कल तथा बहुव्याप्त। अणु का आकार। ज्वोमितीय तथा प्रकाशीय समावयवता।

2. एलेन, एलीन और एक्लीन के तैयार, करने के गुणधर्मी और अभिक्रियों की सामान्य पद्धतियाः। पेट्रोलियम और इसका परिकरण इंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बनः—

अनुनाद और एरोमैटिकता : बैम्बोन तथा नैप्पालीन और उसके सावृश्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएः।

3. हेलाजीन व्यूप्लतियाः; फ्लोरोफार्म, कार्बन, टेट्राक्लोरोराइड, ब्लोर-बनजीन—डी०डी०टी० और गमेशेसेन।

4. हाइड्रोक्लीन भिन्न—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीय एस्कोहूल मिथ्याल, एथनोल, ग्लीसरोल और किनाल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एटिफटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएः।

5. प्रयर :—डाइथाल ईथर।

6. एल्डोहाइड और केन्टास। कार्बनलैडहाइड। एसीटेलाइड। बेजेलडहाइड, एरीटीन एस्साटाफोनीन।

7. नाइट्रो योगिक एसीन, नाइट्रोबेन्झीन : टी०एन० टी०। एनी लान बाइजीनियम योगिक। एजोबाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मीक, एसीटिक बनजोइक और सेलि-सिलिक अम्ल, एसीटाइल सेलिसिलिक अम्ल।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सेलीसिलैटस, इथाइल बनजार।

10. पालीमर्स : पोलीपीन, टेजलान, पर्सेपीन, कृत्रिम रवड, नायलन और पोलिरस्टरलू।

11. कार्बोहाइड्रस, वसा और लिपीडस, एमोनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स की असंरचनात्मक अभिक्रिया।

गणित-1 (कोड सं० 05)

धृज-

अंक प्रणाली—शास्त्रिक अंक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्र० १०५ अंक निदित्त—विभाजा, लेगोस्थिम विधि। अभाज्य और संयुक्त संबंधाएं गणित तथा गुणनखण्ड। गुणनखण्ड प्रमेय। महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। यशाद्वीत एल्गोरियम।

लघुगुणक और उनका प्रयोग

आशारी सौकामा : सरल गुणनखण्डन। लघुगुणों का महत्तम, समापवर्तक, लघुतम समापवर्त्य। द्विवाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणांक में संबंध।

धाराक एल्गोरियम।

सूचकों के नियम, ए० पी० और जी०टी० ज्यामितीय ओणियों और इसका धाराक वैश्वलव मिश्र में प्रयोग।

ऋग्यज्ञ और संबोनन। अनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विपद परिमेय। संक्रियाकृत के लिए परिमेय सूचकों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत वैधिक समीकरण (सीन या त्रि संक्षिप्तों तक) और उनके हल। एक्स 1, एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के विषय वृहे मूल्यों के लिये द्विवाती वक्र बाई, ए० बी० क०० सी० एक्स० 2 का संयोजन।

युगपत रोखक व्यासमिका (दो व्यक्तियां संबंधित में) और उनका ग्राफ। 2×2 मैट्रोसिज और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक धारायूह। 3 से अधिक कम का धारायूह निश्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल भ्राह्मोत का क्षत्रफल। घनों पिरामिडों, लंबवृत्तीय बेलानों आवर्तन और धरातल—संकु और गालक।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बद्ध ध्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र विद्ये जारी होंगे।)

विकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में भाव। त्रिकोणमितिय अनुपात। योग के सूत्र। कोणों के ग्रन्थांकों और अववर्तकों के साइन की लाइन और टेनजेट। साइन की लाइन और टेनजेट का ग्रन्थांक और एक। सरल ऊनाई और दूरी के सरल प्रश्न।

द्विकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊनाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषिक ज्यामितीय

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। समान्तर और संबीय रेखाएं।

दो सीधी रेखाओं की काटिशियन समीकरण।

वृत का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत के स्पर्शी और सामान्य समीकरण। दो वृतों के मूलाक। वृत्तकूल।

परवलय दोर्यूच, और अतिपरवलय का भानक समीकरण। वक्र पर एकसी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण।

(जहाँ प्रायोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक सौण-स्थिरिक तात्कालिकाओं के प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।)

गणित 11 (कोड सं० 06)

कलन (समकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक कलन और उनके ग्राफ। संमेत और अनुक्रम कलन वास्तविक कलनों का वीजगणित। परिमेय और त्रिकोणित छन्नों के उदाहरण और कलकन।

सीधा धारणा और कलन और योगस्तर का सांतत्य कलनों का उत्पत्ति और भागकल।

किसी बिन्दु पर कलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की तत्क्षणिग दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढांचा।

कलनों के योग, अन्तर गुणनफल और भागकल की व्युत्पत्तियां। संयुक्त कलनों और 11 कलनों के व्युत्पन्न की व्युत्पत्तियां। व्युत्पन्न कलनों, परिमर कलनों, प्रवयतंत्र कलनों, त्रिकोणामसीय कलनों और अनुक्रम त्रिकोणमितीय कलनों का व्युत्पत्तियां।

कलनों का धारा और अनिश्चित पूर्णांक।

सरल मामलों में प्राय की परिणाम—(मरल) प्रनियापत एवं प्र० और अंशतः समेकन।

यांत्रिकी (संशिख पद्धतियों को अनुमति होती)

स्थितिकी : वक्र का निरूपण वक्र ममान्तर चतुर्भुज। वक्र का संयोजन और विभेदन। समदिश और विपरीत वक्र। ग्रावूण वक्र युगम। संतुलन के प्रतिबंधसंगामी वक्र और समतलीय वक्र (4 में अधिक नहीं)।

वक्र—विभूज।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केंद्र।

कार्य और शक्ति। सरल यंत्र (लीवर, विरनी, तत्व, गियर)।

गतिकी : कण का विस्थापन गति वेग और त्वरण। सत त्वरण के अन्तर्गत, सीधी रेखा में गति। प्रक्रमी से संबंध सरल प्रश्न। एक रस्ती से बंधे दो व्रद्धमानों की गति। ऊर्जा विनियम।

जहाँ प्रायोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लघु-गणक की प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं० 07)—प्रश्न इस प्रकार के होते जिनसे उम्मीदवारों की युनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के यांत्रिक तथा शाक्षात्कार्य वोतों प्रकार के जीवन बृत का अभिलेख होगा। उनसे सामान्य हित के मामलों से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नेतृत्व, पहलगवित और बीड़िक उत्पुक्ता, अवहार कुशलता और अस्त्र सामाजिक गुणों, जातिप्रकार और शारीरिक शक्ति, अवहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

परिणाम—II

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम।

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभास्तता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिशिव्वत किए जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करता है जो विनियमों में निर्धारित अनुत्तम ध्येयांकों को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा यात्रा योग्य योग्यता नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में विए गए नियमों अनुसार योग्य नहीं है तो भी विनियम बोर्ड को भारत सरकार को उसकी अनुशंसा करने का प्रधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड स यात्रा के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा ति अनुक्रमीदवार सरकार की हाजिरी के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की ट्रिपोर्ट पर विभार करने के बाद जिसी वी उम्मीदवार को प्रस्तुति या स्वीकृत करने का पूर्ण प्रधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ छहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वस्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ दक्षता-पूर्वक काम करने में छाती पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंगलो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु ऊंचाई और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लायें। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रेलेना लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवारों को स्वस्थ अधिक घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस के बिना पूरा उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

कद	छाती का घेरे (पूरा फैलाकर)	फैलाव सें. मी. ०	फैलाव सें. मी. ०	फैलाव सें. मी. ०
पूर्ष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5	
महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5	

अनुसूचित जन जातियों तथा गोरखाओं, गङ्गालियों, असमियों, नागा-लैंड के आदिवासियों आदि जैसी जातियों जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सदा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े रहें और उसकी वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना आंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियों, पिडलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी टोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बदेक्स आफ दी हैंड लेवल) हारिंजेटल बार (आड़ी छड़ि) के नीचे जाये। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी झुजाएं सिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (डन्कीरियर एंगिल्स) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़ी सांताल उसी हारिंजेटल लेवल) में रहे। किर झुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शेरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा जैसे 84-89, 86-93, आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अंतिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आथा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(i) सामान्य (जनरल) — किसी रोग या असामान्यता एवनामलिटी का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कन्टिंगुअ्रेस स्ट्रेक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे शब्द या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विनश्चल एक्पृटी) — दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजरीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की धूलग-धूलग परीक्षा की जाएगी।

वश्मे के बिना आंख की नजर, (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा, क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (वैसिक इन्कारमेशन) प्रियत जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि मुत्तीक्ष्णता रेल बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

वश्मे के साथ और वश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
अच्छी आंख खराब आंख	अच्छी आंख खराब आंख
35 वर्ष से कम	6/6 अथवा 6/9
आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	6/12 अथवा 6/9 जे. ०/I जे. ०/II

#### टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 4.00 डी. ० जी. ० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हाइपरमेटोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल + 4.00 डी. ० से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

#### टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंगकी आसानी से और हिंचिह्वाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इश्तदारों की एलेंटों और एंड्रिज ग्रीन जैसी दोनों लैटर्न का प्रयोग होय।

जीवे वी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) प्रेड में होना चाहिए तो लटने में एपर्चर के ज्ञानार पर निर्भर होगा।

प्रेड	रंग के प्रत्यक्ष	रंग के प्रत्यक्ष
	ज्ञान का उच्चतर	ज्ञान का उच्चतर
प्रेड	निम्नतर प्रेड	
1. उम्प और उम्मीदवार के जीवे की दूरी	16 फ़ीट	16 फ़ीट
2. डारक (एपचर) का ज्ञान	.113 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. उच्चभासन काल	5 सेकेण्ड	5 सेकेण्ड

स्पेशल फ्लाम प्रेटिसेज के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर प्रेड आवश्यक है।

#### टिप्पणी (3)

दृष्टि क्षेत्र (फॉलड आफ विजन) -- नमी रेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कान्फर्टेशन रीफ़ड) द्वारा शुनिट-दृष्टि क्षेत्र की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो जब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्भारित किया जाना चाहिए।

#### टिप्पणी (4)

रेंटोंघी (नाईट इलाइण्डर्स) -- केवल विशेष मामलों को छोड़कर रेंटोंघी की जांच नेमो रूप से ज़रूरी नहीं है। रेंटोंघी में दिखाई न देने के जांच करने के बाद कोई स्टेन्कर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम खलाऊ देत कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को छोड़े रखाएं में स्कार 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध जींजों की पहचान करवा कर दृष्टि सीधणता रिकॉर्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

#### टिप्पणी (5)

दृष्टि से तीक्ष्णता से भिन्न जांच की दशा (आक्यूलर कंफीशन्स)

(क) आंख की भ्रंग संबंधी बीमारी को या ब्रह्मी हुई अपवर्तन बुटी (रिफिविट एरर), जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभालत हो, भयोग्यता के कारण समझ जाना चाहिए।

(ख) भ्रंगापन--जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना ज़रूरी है भ्रंगापन भयोग्यता माना जाएगा जहां दृष्टि की तीक्ष्णता निर्भारित स्तर की ही क्षमता न हो।

(ग) एक आंख वाला व्यक्ति--एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पाल नहीं होगा।

#### टिप्पणी (6)

फॉल्टेक्ट सीस-विकिट्स परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कॉम्टैक्ट लस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टार्पिंग प्लैटों की प्रदीर्घि 15 फूट कैन्डिल की प्रदीर्घि जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के संबंध में किसी भी शर्त की शिक्षित करने की छूट सरकार को है।

#### 7. रक्त दाय (ब्लड प्रैशर)

ब्लड प्रैशर के सम्बन्ध में बोई अपने निर्णय से काम लेगा। नामंस-इजीम सिस्टालिक प्रैशर के आंकलन की काम खलाऊ विधि नियम-सिद्धि प्रकार है:-

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा अधिकारी में औसत ब्लड प्रैशर लगभग 100+शायु होता है।

(2) 25 वर्ष से कठर की शायु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रैशर के आंकलन में 110+शायु शायु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष व्यान--सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के कठर मिस्टालिक प्रैशर और 90 एम० एम० के कठर डायस्टालिक प्रैशर को सवित्र मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में आगे अनिवार्य देने से पहले बोई को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से मह पता लगाना चाहिए कि बवराहट (एस्ट्राइटेंट) धारिय के कारण ब्लड प्रैशर बोई समय रहने वाला या हसका कारण कोई कायिक (प्रौद्योगिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में दृष्टि का एकपरे और इलेक्ट्रो-कार्डिओग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकात (क्लियरेंस) को जांच की भी नभी होर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के शोषण होने वाले में अनिवार्य फैसला केवल मेडिकल बोई ही करेगा।

#### ब्लड प्रैशर (रक्त दाय) लेने का तरीका

नियमतः पार वाले दाव मार्पों (मकरी मनोटर) किस्म का उप-करण (इस्ट्रॉमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या बवराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाय नहीं लेना चाहिए। रोटी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसको बांह विधिय और पाराम से हो। बांह घोटी बद्रुत होरिंजेटिल विधिय में रोटी के पार्पे पर हो तथा उसके कन्धे से कपड़ा उतार देना चाहिए कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रवड़ मुजा के प्रन्द्यर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोइ से एक या दो इन्स्ट्रुक्टर करके लगाना चाहिए इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समाप्त कप से लपटेना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्पा फूल कर जाहर न निकले।

कोहनी के मोइ पर बांह ब्रमनी (ब्रेकिग्रन भार्टरी) को दबा-दबा कर दूंगा जाता है और तब इसके ऊपर बीच स्टेटेशन्सोप को हृष्टे से लगाया जाता है जो कफ के माथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी रहती है और इसके बावजूद इसमें धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की अधिक व्यनियों सुनाई पड़ते पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रैशर दर्शाता है और जब हवा निकाली जाएगी तो भी तेज व्यनियों सुनाई पड़ती है। यिस स्तर पर ये साफ़ और ब्रैक्टों सुनाई पड़ते वाली व्यनियों हल्की बीच हुई सी सुन्दर प्रायः हों जाए वह डायस्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी घोटी व्यवधि में रही ले लेना चाहिए व्योग्यक बोई कफ के सबे समय का दबाव रोटी के निए तीव्रकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि बांधारा पकड़ताल करने ज़रूरी है तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बावजूद ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक नियन्त्रित स्तर तक व्यनियों सुनाई पड़ती है, वाम गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा नियम-स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट रोप से रीडिंग में गलती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की भी परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकॉर्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोई को किसी उम्मीदवार के मूल में रसायनिक जांच द्वारा शाकार का पता चले तो बोई इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मध्यमेह (डायबिटीज) के आतंक चिन्ह भी रसायनों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोई उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिथाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के मनुक्षर पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमध्यमेही (नान डायबेटिक) है और बोई इस केस को मेडिसन के किसी ऐसे नियिष्ट विशेषज्ञ के पास से भेजेगा विशेषज्ञ के पास अस्पताल और

प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैफ़ ब्लॉक यांगर टाल-रेस टैस्ट समेत जो भी किलनिकल लेबोरेटरी परीक्षाएं असरी समझेगा, करेगा और घटने रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को बेंज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होती। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना चाही ही नहीं होगा। श्रीशंखि के प्रमाण को समाप्त करने के लिए यह चाही ही सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई नहीं। उम्मीदवार 12 हृसे आउस्टे आधिक समय की गर्भांती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हृसे बाब आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

#### 10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से भड़ा मुनाई पड़ता है और उसके काम में बीमारी का कोई किन्तु नहीं है। यदि कोई कान की बारबी हो सो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की बारबी का इलाज बाल्य किया (प्रापरेशन) या हेरिंग ऐर से इसेमाल हो सकता है तो उम्मीदवार को इस आवार पर घर्योग्य घोषित नहीं किया जा सकता बगते कि कान की बीमारी बहुमै बाली न हो।

चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग संबंध जानकारी दी जाती है।

(i) एक कान में प्रकट अथवा धूर्ण बहारपन, धूसरा कान स्नानांश होगा।

(ii) दोनों कानों में बहारपन का प्रस्थक स्थोष जिसमें अवण यंत्र (हिर्पांग एड) आर कुछ सुधार संभव हो।

(iii) बीमार प्रथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पोनिक मैन्डेन का छिपा।

(iv) कान के एक ओर दोनों ओर मस्टाइट फ़िब्रिली से सम्बन्धित क्षय।

(v) इसे रखने वाला प्रापरेशन किया गया बिना आपरेशन किया गया।

(vi) नासापुट की हड्डी सम्बन्धी बिलमताओं (योनी डिफ़ो-मिटी) सहित प्रथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक घालांजिक व्याधि।

(i) टासिल्स और/प्रथवा स्वरूप (सरिस्ल) की जीर्ण प्रदाहक व्याधि।

(ii) यदि आवाज में प्रत्यधिक कर्कशा विद्यमान हो तो स्वस्थाई रूप से घर्योग्य।

(viii) कान/माक/गले (ई० एन० टी०) के हूल्के अथवा अपने रूप से घर्योग्य अवण स्थान पर दूबमट्टमर। (ii) बुटेम दूबमर घर्योग्य अवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद 30 देर्सी बेल अवणता के बन्दर होने पर योग्य।

(ix) मास्टोकिलरीसिस स्पेशल क्लास अप्रेटिसेज के लिये घर्योग्य।

(x) कान, नाक अथवा गले के (i) यदि काम-काज में बाधक जाम-जात दोष।

(ii) आरी माना में हफ़लाहट हो सो घर्योग्य।

(xi) नेजल बोली प्रस्थाई रूप से घर्योग्य।

(xii) उम्मीदवार बोलने में हफ़लाता/हफ़लाती नहीं हो।

(xiii) उसके बात घञ्ची हुलत में है या नहीं और घञ्ची तरह चबाने के लिए जल्दी होने पर नकली बात लगे हैं या नहीं। (घञ्ची तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(xiv) उसकी छाती की बनावट घञ्ची है या नहीं और छाती काफी फ़ैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फ़ौजे ठीक है या नहीं।

(xv) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(xvi) उसे रपचर है या नहीं।

(xvii) उसे हाइड्रोसील, बही हुई बेरिकोसिल, बेरिका (शिराबेन) या बबातीर है या नहीं।

(xviii) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट घञ्ची है या नहीं और उसकी प्रत्येक भाली-मांसि स्वतन्त्र रूप से फ़िलती है या नहीं।

(xix) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(xx) कोई जम्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(xxi) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी से निशान है या नहीं। जिससे कमज़ोर घठन का पता लगे।

(xxii) कारणार टीके के निशान हैं या नहीं।

(xxiii) उसे कोई संचारी (कम्प्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और केफ़झों वी किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से जात नहीं, उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से प्रत्येक दक्षतापूर्ण डूटी में इसे धारा पड़ने को संमानना है या नहीं।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड —जा, बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विशद अनील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अनील की हड्डा अत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड की निर्णय सुचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अवधि प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अनील करने के लिए अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनियन्दय में नियन्य सम्बन्धी हूटी की संभावना से संबद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसी प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान लहरी दिया

जाएगा जब तक इसमें संबद्ध चिकित्सा व्यवसायी को इस प्राप्ति की लिप्पी संबंधित न हो कि यह लिप्पी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अकिञ्चित ही गयी है कि उसके उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु प्रयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

#### मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए ग्रपनाएं जाने वाले स्टैपड्स में संबंधित उम्मीदवार की प्राप्त और सेवा काल (यदि हो) के लिए अंतिम सुझाइश करना चाहिए।

2. किसी ऐसे अधिक को प्रधिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थित सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी (अपार्टमेंट अपार्टमेंट) को यह तसली महीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक तुलनात्मक (आडिली इनफार्मटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके प्रयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न मनिष्य से भी उत्तमा ही संबद्ध है जितना बहुमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरस्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व वेचन या प्रदायागियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि कोई ऐसा दोष हो जो केवल अहृत कम रिक्तियों में निरस्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

4. महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए कि इसे ₹ 1,000/- के मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाए।

5. डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य कारगर दिया जाता है तो योटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के प्राप्तार्थ नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई उनका विस्तृत और महीने द्वारा जाएगा।

7. ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य घोषने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (शौष्ठव या पाल्य) द्वारा हुए हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस प्राप्ति का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी हुए हो जाए तो इससे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस अधिकता को उपरिवर्त होने के लिए कहाँ में संबंधित प्राप्तिकारी स्वतन्त्र है।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके पास लगी हुई घोषणा (डिक्सेनेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित बेतावती की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से व्यापार देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ भ्रमणों में)

2. अपनी प्राप्त और जन्म स्थान बताएं।

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जातियों नागार्जुण जन-जाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका गोरात कद दूसरों से कम होता है "हाँ" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हाँ" में ही सो उस जाति का नाम दीजाए।

4. (क) क्या आपको कभी बेचक, सक-लक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, वंशियों (ब्लैण्ड्स) का बढ़ना या इसमें पीप बढ़ना, पूर्क में बून आना, दमा, दिल की बीमारी, केफ़ड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे, एमेटिज्म, एंडिसाइटिस हुआ है ?

(च) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या बुर्देटना, जिसके कारण क्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया थो, हुई है ?

5. आपको बेचक का टीका आंखियों वार कर लगा था ?

6. क्या आप या आपका कोई लिकट का संबंधी कभी काष्यम्बान सीरोफला गाउट, दमा, दोरे, ग्रपस्मार या पागलपन का धिकार हुआ है ?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसम की अधीक्षित (जर्सेसेम) हुई ?

8. आपने परिवार के सम्बद्ध में निम्नलिखित घौरे दें :—

यदि यिता जीवित मृत्यु के समय यिता आपके कितने बाई आपके कितने होते उनकी प्राप्त और जीवित हैं, उनकी भार्यों भी प्राप्त और स्वास्थ्य मृत्यु का कारण प्राप्त और स्वास्थ्य मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी प्राप्त और भवस्था उनकी प्राप्त और मृत्यु का कारण

यदि याता जीवित मृत्यु के समय	प्राप्तकी कितनी	आपकी कितनी
होते उनकी प्राप्त माता की प्राप्त	बहने जीवित हैं, यहींकी भी मृत्यु	
और स्वास्थ्य की भीर मृत्यु का	उनकी प्राप्त और हो चुकी है।	
भवस्था	कारण	स्वास्थ्य की भवस्था मृत्यु के समय
		उनकी प्राप्त और मृत्यु का कारण

9. क्या इसके पूछे यिसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बताइए किस सेवा/किस सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की है ?

11. परीक्षा लेने वाला प्राप्तिकारी कौन था ?

12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो मृत्यु का घोषणा आपको मालूम हो—

मैं जीवित करता हूं कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर यिए गए सभी घोषणाएँ सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के घोषणा के हस्ताक्षर—

बोर्ड—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानवृत्तकर यिसी सूचना को लियाने से वह नियुक्ति जो बैठेंगे को जीवित लेता और यदि वह नियुक्त हो तो भी आए तो बांधन्य लियुति भला (सुपरएन्डेशन असाउंड) या उपदान (प्रेष्युटी) के सभी घोषणाओं से हाथ जो बैठेंगा।

(ज) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. शासार्थ विकास : ग्रन्था .....

बीब का ..... कम .....

पीवां : पलका ..... (घोषण) .....

पोटा.....	बाब (जूते उत्तारकर).....
बजन.....	मरुद्वाम बजन..... कब या ? .....
बजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन.....	.....
तापमान.....	.....
छाती का बेर.....	.....
(1) पूरा सास खींचे पर.....	.....
(2) पूरा सास निकालने पर.....	.....
2. खचा—कोई जाहिरा थीमारी ।	.....
3. नेत्र :	.....
(1) कोई थीमारी.....	.....
(2) रसोयी.....	.....
(3) कलर विजन व दोष.....	.....
(4) दृष्टि बेत (फील थाक विजन).....	.....
(5) दृष्टि शीखण्डा (विषुमल एक्वीटी).....	.....
(6) फँडस की जाँच.....	.....

दृष्टि की लीटणी	बरसे के बिना	बरसे से	बरसे की पावर	स्फी० तिलिएश्वर
दूर की मजर	दा० नै०	.....	.....	.....
.....	वा० नै०	.....	.....	.....
वास की मजर	दा० नै०	.....	.....	.....
.....	वा० नै०	.....	.....	.....
हॉस्टर मैट्रोपिया	दा० नै०	.....	.....	.....
(थक्कत)	वा० नै०	.....	.....	.....

4. कान : निरीक्षण	.....	.....	मुनाफा
.....	.....	.....	बायाँ कान
.....	.....	.....	बायाँ
5. प्रविधिया.....	.....	याहराइड	.....
6. दातों की हास्त	.....	.....	.....
7. इक्सेन हृद (रेसोयरेटरी सिस्टम)---हृदय शारीरिक पर्याप्ति	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
8. परिमंचण तंत्र (सर्वर्मेटरी सिस्टम)	.....	.....	.....
(क) हृदय कोई प्राणिक विकास थार्गेटिक लीजन)---गति (ठेट)	.....	.....	.....
बड़े होने पर.....	.....	.....	.....
25 बार कुदाए जाने के बाद.....	.....	.....	.....
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद.....	.....	.....	.....
इस्ट ब्रैशर.....	.....	.....	सिस्टालिक
ब्रायस्टालिक.....	.....	.....	.....
9. चबर (टेट) बेरा.....	स्पर्श	सहायता	हार्मिया
(क) दबा कर भालूम पड़नाप्रिंजर.....	.....	.....	.....
तिल्ली.....	.....	गुर्दे	.....
ट्यूमर.....	.....	.....	.....
(ब) स्कलार्स.....	.....	.....	.....
स्कॉर्डर.....	.....	.....	.....
10. तालिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तालिका या मानविक प्रपत्रसामान्यता	.....	.....	.....
का संकेत	.....	.....	.....
11. ताल तंत्र (लोकोमोटर गिस्टम) :	.....	.....	.....
कोई प्रपत्रसामान्यता	.....	.....	.....

12. जनन मूलत्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम)---  
हाइड्रोसील बेनिकोशील थार्ड का कोई सकेत :  
मूझ परीक्षा :—  
(क) कैसा दिलायी पड़ता है ?  
(ख) ग्रोवर्स गुरुत्र (स्पेसिफिक ग्रिटी)  
(ग) एल्बूमेन  
(घ) शब्कर  
(ङ) कास्ट्रस  
(च) कोशकाएं (सेल्स)

13. छाती की भूमि परीक्षा की रिपोर्ट

14. या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह इस सेवा की इमूटी को दक्षतापूर्वक निपाने के लिए अप्रोग्य हो सकता है ?

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि वह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अधिक उससे धार्धिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अप्रोग्य घोषित किया जाना चाहिए, वेंवे विनियम 9 ।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य, के दश, सतत निपादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह प्रयोग पाया गया है ।

स्थान.....

तारीख.....

अध्यक्ष.....  
सदस्य.....

### परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रैटिसिप की शर्तें

अप्रैटिसिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्ट्रेलियासिमेंट मैनुफ्ल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा । इसका संचित निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसिप के रूप में नियमित के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्राप्ति के अनुबन्ध स्पेशल क्लास जैवि रेलवे एस्ट्रेलियासिमेंट मैनुफ्ल के अनुसार इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परियोक्षित अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन पर बच किया गया है उसको लोटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिष्ठु संयुक्त रूप में तथा पृथक्-पृथक् रूप में बाध्य होने सरकार को खर्च की राशि के बारे में नियंत्रण करने का एकमात्र अधिकार होगा ।

अप्रैटिसिप की शर्त में एक बार वर्षीय प्रयोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आश्रय के बायक अनुबन्ध पत्र के अनुसार देना होगा कि यदि जहरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी । उसकी अप्रैटिसिप एक बार वर्ष तभी राष्ट्रीय जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उसमें संतोषजनक ग्रिंट मिल जाती है । अप्रैटिसिप के द्वारा यदि किसी समय वह प्रपत्र अरिष्ट अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह प्रश्नाएं प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रैटिसिप से श्रेष्ठ कर दिया जाएगा ।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवाद पर प्रशिक्षण की घवष्टि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है ।

2 अंतिमशिप को चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण कक्षी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा। रेलवे वलास अप्रैटिसों को इस प्रवधि के दो तर्फ या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूट्स एजमिनेशन (लंदन) का भाग—1. और भाग—2 इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियरिंग (इंडिया) एजमिनेशन की एप्रैटिसिट मेम्बरशिप का सेक्शन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रैटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 250/- रु. प्र. मा. छावन्वृति तथा तीसरे वर्ष और चौथे वर्षों के दौरान 400/- ६० प्र. मा० छावन्वृति प्रदान की जाएगी। अप्रैटिमिशन के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छः सिमेस्टर परीक्षाएं होंगी जिसमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पुरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले विचले बैच में चले जाने को या अप्रैटिमिशन से हट जाने को कहा जाएगा।

**टिप्पणी:**—सिवाय जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में यथार्थ है या वह अन्धीनता असंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है या कोई करार अंग कर दिया जाता है, अप्रैटिमिशन से हटने के लिए एक साताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण को चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रैटिसों को एक सूची दी गयी परीक्षा या अप्रैटिमिशन की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योगदान कम में तीव्र की जाएगी। सफल अप्रैटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवेक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

**टिप्पणी:**—किसी भी प्रक्षिक्षा को इच्छिक रहार की लेखा से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छः सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकों के वैद्युत, इंजीनियरी संस्थान, जंभालपुर के प्रान्ताचाय तथा उप सूख यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेशों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छः सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षणों को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उसकी प्रशिक्षण असफल रही, प्रशिक्षुता से निवृत्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रैटिमिशन के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिषिष्ट में नीचे पैरा 1 के परन्तु की शर्तों के अनुसार अप्रैटिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवेक्षा पर नियुक्त दिया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के यांत्रिकों को वैचल एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिषिष्ट 4 में दिए गए हैं।

#### परिषिष्ट 4

यांत्रिकी इंजीनियरी का भारतीय रेलवे द्वारा दी गई विवरण 1. परिवेक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवेक्षा द्वारा के स्तर में नियुक्ति और वैतन का आरम्भ (क) अप्रैटिमिशन की 4 वर्षों की अवधि के समान होने की तारीख से या (छ) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद भी हो, माना जाएगा।

किन्तु यह है कि उन स्पेशल क्रांति अप्रैटिसों को, जो अपने अप्रैटिमिशन के 4 वर्ष के भीतर ए० एम० २ थाई० ई० (लंदन) के भाग 1 और 2 ई० एम० थाई० (इंडिया) के भाग ए० थोर थोर परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उपींतीरीख से परीक्षाओं के पहले परिषिष्ट किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में दोहरी ४० में पूरा रूप से सफल होंगे।

3—411GI/85

नोट—(1) वैतन-विकास का वैतन में बाणी रखने और उनको वासिक प्रशिक्षण कक्षी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के प्रत्येक में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी और से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवेक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवेक्षा के प्रयत्न और द्वितीय वर्षों में उनकी एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संशोधित भी हो सकती है। परिवेक्षावीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालयों में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भावण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परिवेक्षित की नियुक्ति होनी है, यहाँ के मूल्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी जिसमें अर्द्धता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवेक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ीदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें दुबारा बैठने की अनुमति सामान्य नहीं दी जाएगी जब तक कुछ आपावादिक परिस्थितियाँ न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छः को उपर्युक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवेक्षा अवधि यथावत्यक बड़ा दी जाएगी। परिवेक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्रावक्कलन सामान्य और आनुभविक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपुर्ति अधिनियम, शमिकों से काम करने का कौशल तथा परिवेक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य पर कार्यों में उनकी अनुप्रयुक्तता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परिवेक्षा के द्वारे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वैतन-वृद्धि रक्खा दी जाती है। निश्चित अवधि के अंदर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवेक्षा की अवधि वडानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बड़ाई गई परिवेक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहुंची और उसके बारे की वैतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित होती है और अप्रैटिसों अनुमान नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपावादिक परिस्थितियाँ न हों और अतिरिक्त दोहरी वैतन एवं सेवा की अवधि जो अवधि में उत्तीर्ण की अवधि की अवधि की अवधि होती है।

ध्यान दें: सरकार, अपने निर्णय के, किसी भी कार्य भारी पद की प्रशिक्षण अवधि और परिवेक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बड़ा दी जाती है तो तदनुसार परिवेक्षा की समस्त अवधि बड़ाई जाती है।

4. परिवेक्षावीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परिवेक्षा अवधि में उत्तीर्ण होता चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा नियम, रिपोर्टों के डाया गोलों पर हिन्दी प्रतीक्षा को केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई सन्तुष्ट परीक्षा हो सकती।

जब तक कोई परिवाराधीन प्रतिकारी इस सेवा का इति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसकी वेतन समयिक वेतनमान में रु. 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस प्रेषण को पृष्ठ नहीं कर याता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई शुल्क नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद की परीका के आधार पर यांत्रिक इंजी-नियरी की भारतीय रेलवे नेटवे में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना देगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) परिवाराधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्णोन्नत सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

(क) पैशान साम के पात्र होंगे, और

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उचल निधि के नियमों के अनुरूप अंशदायां करेंगे :—

ऐसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं, लागू है।

7. परिवाराधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी। वेतन आवधि का विवरण इस परिषिक्षण के रु 10 में उल्लिखित है।

8. इन नियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लाए नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार लृटी के पाल होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में उसे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है, और किसी दूसरे रेल में उसे स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीकार्यों को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अनेकांत होने

पर अधिकारीयों की मार्गांय रेल फ्लटोर डिपार्टमेंट में सेवा करती होंगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति प्रधि-कारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दर्दें प्राप्त हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु. 700-40-900-इ. रो. 40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान : रु. 1100 (छाड़ा वर्ग या कम) 50-1800

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु. 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (I) रु. 2250-125/2-2500

(II) रु. 2500-125/2-2750

टिप्पणी 1 : परिवाराधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यालय की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उसका वेतन 740.00 रु. प्र. मा. से 780.00 रु. प्र. मा. तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें नियर्वास परीका या परियोजना कोई होगी।

टिप्पणी 2 : यदि ये प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों में परिवाराधीन अधिकारियों के द्वारा विभागीय परीका उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं रु. 740.00 से रु. 780.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब नियर्वासित अधिकारियों के द्वारा विभागीय परीकारों में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अधिकारी बड़ी ही तरह प्रशिक्षण की घटी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीका उत्तीर्ण कर देने पर उनका वेतन जिस तारीख को अनिमित्परीका समाप्त होती है उसके बाद की सारी वेतन वृद्धि की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो कि अन्यथा प्राप्त कर लिते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे सामाजिकों में भविष्यत वेतन वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतनवृद्धि के बाल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार वी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पौरीति संस्थान स्थापना में रिप्रिटरी होने पर जी होती है और पूरी तरह नयन पर आधारित होती है। वेवल वरिष्ठता शादोप्रति का कोई अधिकार प्रवान नहीं करती है।

now been decided that foreign equity companies with foreign equity not exceeding 40% would be allowed to participate in this industry. However, these companies will be required to supply not less than 25% of their production in kit form to small scale units for five years from the date the unit goes into production.

Further it is clarified that foreign brand name would not be allowed in the manufacture and sale of Black & White and Colour T.V. Sets.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to

1. The President's Secretariat.
2. The Prime Minister's Office.
3. Cabinet Secretariat.
4. All Ministries/Departments of the Govt. of India.

#### DEPARTMENT OF ELECTRONICS

New Delhi, the 1st January 1986

#### RESOLUTION

No. 23(20)/Secy(EC).—The Government of India has reviewed the Industrial Licensing & Technology Policy for manufacture of Colour T.V. Receivers and Black & White T. V. Receivers in respect of foreign participation. Towards this end, the President has been pleased to decide the following modifications which shall come into immediate effect :

1. Under the existing policy all sectors of industry were encouraged to participate in the industry. However, foreign equity companies were not permitted to manufacture Black & White and Colour T. V. Sets. It has

5. Controller & Auditor General of India.
6. Chief Secretaries of All State Governments including Union Territories.
7. Chairman, Central Board of Excise & Customs.
8. Chief Controller of Imports & Exports.
9. Directorate General of Technical Development.
10. Science Counsellors in Indian Embassies.
11. Minister of State for Science & Technology and Electronics.
12. Chairman, Electronics Commission.
13. Secretary, Department of Electronics.
14. All Divisions/Sections of DOE.

ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. N. BHAGWAT, Jt. Secy.

#### MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, 11th December 1985

#### RESOLUTION

**Sub:** Advisory Committee in the Central Institute of Indian Languages, Mysore—Setting up of—

No. F. 8-14/85-DIV(L).—In partial modification of the Resolution No. F.8-14/85-DIV(L), dated the 15th Feb., 1985 published in the Gazette of India regarding the setting up of an Advisory Committee to advise and assist the Central Institute of Indian Languages, Mysore in formulating its programmes and projects, the Government of India hereby revise the composition and tenure of the Committee as under :

#### COMPOSITION

1. Minister of State for Education and Culture—Chairperson.

#### Members

2. Prof. V. I. Subramonian, Vice-Chancellor, Tamil University, Tanjavur, Tamilnadu.
3. Prof. Abdul Azim, Professor and Chairman, Department of Linguistics, Aligarh Muslim University, Aligarh-202 001 (U.P.).
4. Prof. S. K. Das, Department of Modern Indian Languages, University of Delhi, Delhi.
5. Prof. Anantarao Rawal, 2, Sri Sadma Society, Navarangapura, Ahmedabad, Gujarat-380 009.
6. Shri N. V. Krishna Warrior, Chief Editor, Kunkumam Weekly, Thevally, Quilon-691 009.
7. Dr. R. K. Mohanta, Head of Department of Linguistics, Gauhati University, Guwahati.
8. Dr. R. K. Sharma, Vice-Chancellor, Sampoornanand Sanskrit University, Varanasi.

9. Dr. B. G. Misra,  
Director,  
Kendriya Hindi Sansthan  
Agra-5.

#### Member Ex-officio

10. Shri J. Veeraraghavan, Adviser (Education), Planning Commission, New Delhi-110001.
11. Director (Languages), Ministry of Human Resource Development, (Dept. of Education).
12. Joint Secretary (Tribals), Ministry of Home Affairs.
13. Financial Adviser, Ministry of Human Resource Development.
14. Dr. Fahmida Begum, Director, Bureau for Promotion of Urdu.

#### Member-Secretary

15. Director, Central Institute of Indian Languages Mysore.

#### TENURE :

1. The tenure of the non-official members of the Committee shall be 3 years from the date of appointment.
2. The official members of the Committee shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee.
3. If a vacancy arises on the Committee due to resignation, death, etc., of a member, the new member appointed in that vacancy will hold office for the residue of the tenure of 3 years.

#### TERMS OF REFERENCE :

- (i) To advise the CIIL in the formulation of its plans, programmes and projects;
- (ii) To advise the CIIL in matters relating to teaching of languages, linguistic research, production of teaching material, correspondence courses, etc.;
- (iii) To review annually the academic programmes made by the CIIL.
- (iv) To lay down the priorities for various programmes to be undertaken by the CIIL; annually.
- (v) To recommend measures for faculty improvement including training in India and abroad and career advancement;
- (vi) To advise CIIL in matters relating to promotion and development of tribal and border languages; & the CIIL.
- (vii) To review the Commissioned projects undertaken by the CIIL.

#### MEETING :

The Committee shall meet not less than once a year. Meetings may however, be convened by the Chairman at any time as may be deemed necessary.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Director, Central Institute of Indian Languages Manasagangotri, Mysore, All State Government and Union Territory Administrations, Prime Minister Office, New Delhi, Ministry of Parliamentary Affairs, Parliament House, New Delhi, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, and All Ministries and Department of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. K. MALHOTRA,  
Asstt. Educational Adviser

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 17th December 1985.

## RESOLUTION

No. 11013/1/85-Hindi.—In continuation of Ministry of Petroleum's Resolution of even number dated 10th September, 1985, the Government of India has decided to nominate Shri Ram Avtar Gupta, Editor "Sanmarg" 160-C, Chitrangan Avenue Calcutta as non-official member of Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Petroleum & Natural Gas.

2. Following amendments are made in the Resolution dated 10th September, 1985.

- (i) Sl. Nos. 32, 33 & 42 are deleted.
- (ii) Chairman & Managing Director, Becco Lawrie Ltd., P-54, Hyde Road Extension, Calcutta is nominated as Official member of the Samiti.

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, and Union Territory Administration Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, President's Secretariat, C&AG, AGCR and all Ministries and Depts. of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. N. RAO, Jt. Secy.

## MINISTRY OF TRANSPORT

## DEPARTMENT OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

## RULES

New Delhi, the 18th January, 1986

No. 85/E(GR)I/1/14.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1986 for selection of candidates for appointment as 'Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaïre, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1986, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1966, and not later than 1st January, 1970.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (xiv) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986, and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) (otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

- (xviii) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.
- (xix) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

**NOTE :** Ex-Servicemen who have already joined Government job on the Civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(b)(xiv) & 5(b)(xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

#### 6. A candidate—

(a) must have passed in the first or second division, the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

(b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or

(c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second Division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

(d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University; approved by the Government of India; or

(e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with

Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

- (f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a university; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as Subjects of the examination.

**NOTE I.**—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

**NOTE II.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 25th August, 1986.

**NOTE III.**—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

**NOTE IV.**—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

**7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.**

**8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.**

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

**9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.**

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) making statements which are incorrect or false or which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (I) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf and
- (II) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations or in its venue would ordinarily be acceded to.

*The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The candidates may also please note :

- (i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF TRANSPORT, DEPARTMENT OF RAILWAYS.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

#### 17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

A. N. WANCHOO,  
Secy. Railway Board.

#### APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subjects as shown below.

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl. No.	Subject	Code No.	Time Allowed	Maximum marks
1.	English . . . . .	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge . . . . .	02	2 Hours	100
3.	Physics . . . . .	03	2 Hours	100
4.	Chemistry . . . . .	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I . . . . . (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II . . . . . (Calculus—Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics))	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test . . . . .	07	1 Hour	100
Total . . . . .				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE II). THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

#### SCHEDULE

**ENGLISH** (Code No. 01)—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

#### GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

##### *Man and his environment*

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons. Climate. Weather. Soil—its formation, erosion. Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

##### *History, Politics and Society in India*

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves, Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition, social control-reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Castelism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India: community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth: Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

#### PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple, Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force; Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms, deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and voltmeters Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

#### *CHEMISTRY (Code No. 04)*

##### *Physical Chemistry*

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Paull's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle; s, p, d and f block elements.

Periodic classification, only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding. Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds. Bond Properties, sigma and Pie bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction : Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity. First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point, osmotic Pressure. Raoult's law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis ionic equilibria, Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

##### *Inorganic Chemistry*

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds :

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements, (Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels.

##### *Organic Chemistry*

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and  $\alpha\pi$  bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules, Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene, D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primarv, Secondary and Tertiary alcohols. Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers : Diethyl ether.

6. Aldehydes and ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde Benzaldehyde acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic benzoic and salicylic acids acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teilon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates, Fats and lipids amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

**MATHEMATICS I (Code No. 05)****Algebra**

**Number Systems**—Natural numbers, Integers, Rational numbers and Irrationals and their elementary properties.

**Elementary Number Theory**—Division algorithm Prime and Composite numbers. Multiples and factors. Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

**Basic Operations**, Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm.

**Laws of Indices, A.P. and G.P.** Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

**Permutation and Combinations.** Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve  $y=a+bx+cx^2$  for given values of  $y$  at  $x^1$ ,  $x^2$  and  $x^3$ .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs  $2 \times 2$  Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3.

**Elementary Mensuration**

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(Practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary.)

**Trigonometry**

Angles and their measures in degrees and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, Cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

**Analytic Geometry**

Equation of a line in a plane. General equation of first degree Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles, Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

**MATHEMATICS II (Code No. 06).****Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1-1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

**Mechanics (Vector methods would be permissible)**

**Statics**: Representation of a force, parallelogram of forces. Compositions and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

**Dynamics**: Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidate may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission.)

**PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)**

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

**PERSONALITY TEST**

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

**APPENDIX II****REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

### 3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

### 4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than  $\frac{1}{2}$  centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J-I.	J-II

#### NOTE : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00D.

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

#### NOTE : (2)

##### Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate . . .	16'	16'
2. Size of the aperture . . .	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure . . .	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

**NOTE : (3)**

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

**NOTE : (4)**

*Night Blindness :*

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

**NOTE : (5)**

*Ocular conditions other than visual acuity :*

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) *Squint*.—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed person*.—One eyed persons will not be eligible for appointment.

**NOTE : (6)**

*Contact Lenses :*

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

**NOTE : (7)**

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

**7. Blood Pressure**

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.—*As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

*Method of taking Blood Pressure :*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after-complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

- 8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specific specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will

carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

- |   |   |
|---|---|
| (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal.  | Unfit for appointment as Special Class Apprentices  |
| (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.           | Unfit for appointment as Special Class Apprentices.   |
| (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.                                     | Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.   |
| (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides.                                | Unfit for appointment as Special Class Apprentices.   |
| (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated.   | Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.  |
| (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.</li> <li>(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.</li> </ul> |
| (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.   | <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.</li> <li>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.</li> </ul>   |

- |  |  |
|--|--|
| (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Benign tumours Temporarily unfit.</li> <li>(ii) Malignant tumour Unfit.</li> </ul>  |
| (ix) Otosclerosis  | Unfit for appointment as special Class Apprentices.  |
| (x) Congenital defects of ear, nose or throat.           | <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) If not interfering with functions—Fit.</li> <li>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.</li> </ul>  |
| (xi) Nasal Poly.   | Temporarily unfit.   |
|  | <ul style="list-style-type: none"> <li>(b) that his/her speech is without impediment;</li> <li>(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);</li> <li>(d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;</li> <li>(e) that there is no evidence of any abdominal disease;</li> <li>(f) that he/she is not raptured;</li> <li>(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;</li> <li>(h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;</li> <li>(i) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose disease;</li> <li>(j) that there is no congenital malformation or defect;</li> <li>(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;</li> <li>(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and</li> <li>(m) that he/she is free from communicable disease.</li> </ul> |

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

**NOTE.**—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by

the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

*Medical Board and their report*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future, as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4 A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

*(A) Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place

.....

3. Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race

4 (a) have you ever had small pox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

5. When were you last vaccinated ?

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy or insanity ?

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	---	---	---

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	--

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

10. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for ?

11. Who was the examining authority ?

12. When and where was the Medical Board held ?

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be to the best my belief, true and correct.

Candidates signature.....

Signed in my presence.....

Signature of Chairman of the Board

Signed in my presence.....

NOTE : The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

*(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical Examination:*

1. General Development :	Good .....
Fair .....	Poor .....
Nutrition :	Thin .....
Height (without shoes) .....	average .....
weight .....	obese .....
Best Weight .....	
When ? .....	Any recent change

in weight ? . . . . .	.....	.....	.....
Temperature .....	.....	.....	.....
<b>Girth of Chest :—</b>			
(1) After full inspiration	.....	.....	.....
(2) After full expiration	.....	.....	.....
2. Skin. Any obvious disease	.....	.....	.....
3. Eyes :	.....	.....	.....
(1) Any disease	.....	.....	.....
(2) Night blindness	.....	.....	.....
(3) Defect in colour vision	.....	.....	.....
(4) Field of vision	.....	.....	.....
(5) Visual Acuity	.....	.....	.....
(6) Fundus Examination	.....	.....	.....
Acuity of vision	Naked with eye glasses	<b>Strength of glasses</b>	
		Sph.	Cyl.
Distant vision	R.E. L.E.	.....	.....
Near vision	R.E. L.E.	.....	.....
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.	.....	.....
4. Ears :	Inspection.....	Hearing.....	.....
Right Ear.....	.....	Left Ear .....	.....
5. Glands.....	Thyroid .....	.....	.....
6. Condition of teeth.....	.....	.....	.....
7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.	.....	.....	.....
If yes, explain fully.....	.....	.....	.....
8. Circulatory System :	.....	.....	.....
(a) Heart : any organic lesions	.....	.....	.....
Rate : .....	Standing.....	.....	.....
After hopping 25 times.....	.....	.....	.....
2 minutes after hopping.....	.....	.....	.....
Blood pressure :	.....	.....	.....
Diastolic .....	Systolic.....	.....	.....
9. Abdomen Girth.....	Tenderness.....	Hernia .....	.....
(a) Palpable : Liver .....	.....	Kidneys.....	.....
Spleen .....	.....	.....	.....
Tumour.....	.....	.....	.....
(b) Haemorrhoids .....	Fistula.....	.....	.....
Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities	.....	.....	.....
11. Loco Motor System : Any Abnormality .....	.....	.....	.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

**Urine Analysis :**

- (a) Physical appearance .....
- (b) Spl. Gr. .....
- (c) Albumen .....
- (d) Sugar .....
- (e) Casts .....
- (f) Cells .....

13. Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service or which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

**APPENDIX III**

*Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through the Examination*

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts I and II of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

**NOTE :—**Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

**NOTE :—**An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 percent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

#### APPENDIX IV

##### *Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers*

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later :

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

**NOTE :—**(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

**NOTE :—**The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers :—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of

India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers

Junior scale : Rs. : 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600

Junior Administrative Grade : (Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500, (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such case the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

